एक अकेला नर कछुआ

यह दुनिया का शायद सबसे अकेला प्राणी है। इसे प्यार से 'लोनसम जॉर्ज' या 'अकेला जॉर्ज' कहते हैं। लोनसम जॉर्ज गेलापैगोस का मशहूर कुंवारा कछुआ है। यदि यह बात सही है तो निश्चित रूप से यह अपनी प्रजाति का 'आखरी मुगल' साबित होगा क्योंकि यह प्रजनन नहीं कर सकेगा। मगर कुछ वैज्ञानिकों के प्रयासों से आशा की एक धुंधली-सी किरण नज़र आ रही है।

एक समय था जब गैलापेगोस द्वीपसमूह के एक द्वीप पिन्टा पर हज़ारों विशाल कछुए विचरण करते थे। मगर आज एक भी नहीं है। कारण यह रहा कि इनकी धीमी 'कछुआ चाल' की वजह से ये यहां आने वाले नाविकों के लिए बढ़िया भोजन साबित हुए। फिर अचानक 1971 में एक अकेला पिन्टा कछुआ खोज लिया गया। अब इसे बन्दी अवस्था में रखा गया है; इस उम्मीद में कि इसके लिए कोई मादा साथी मिल जाएगी और इसका वंश चलता रहेगा। अभी तक सफलता हाथ नहीं लगी है। मगर कुछ वैज्ञानिक बता रहे हैं कि अब कुछ जुगाड़ हो जाएगा।

इसी द्वीपसमूह के इसाबेला द्वीप के कछुओं के डी.एन.ए. का अध्ययन कर रहे संरक्षण जिनेटिक्स विशेषज्ञों ने एक ऐसा कछुआ ढूंढा है जो पिन्टा कछुए के काफी नज़दीक है। येल विश्वविद्यालय के पॉवेल व उनके साथियों ने इसाबेला द्वीप के 27 कछुओं के डी.एन.ए. का विश्लेषण करने पर पाया कि इनमें से एक है जो इसाबेला के किसी मादा कछुए और पिन्टा कछुए के मेल से पैदा हुआ लगता है।

मगर बदकिस्मती से यह कछुआ भी नर है। फिर भी इसकी उपस्थिति से इतना तो पता चलता ही है कि वहां इसी तरह की मादा भी हो सकती है। इस कछुए, जिसे PBR 03 नाम दिया गया है, की उम्र करीब 30 साल है और वैज्ञानिकों को उम्मीद है कि इसी समूह की मादाएं भी आसपास होंगी। ***(स्रोत फीचर्स)***